# बाल महाभारत कथा

## प्रश्नावली

प्रश्न 1. गंगा ने शांतनु से कहा, "राजन! क्या आप अपना वचन भूल गए?" तुम्हारे विचार से शांतनु ने गंगा को क्या वचन दिया होगा?

प्रश्न 2. महाभारत के समय में राजा के बड़े पुत्र को अगला राजा बनाने की परंपरा थी। इस परंपरा को ध्यान में रखते हुए बताओ कि तुम्हारे अनुसार किसे राजा बनाया जाना चाहिए था- युधिष्ठिर या दुर्योधन को? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

प्रश्न 3. महाभारत के युद्ध को जीतने के लिए कौरवों और पांडवों ने अनेक प्रयास किए। तुम्हें दोनों के प्रयासों में जो उपयुक्त लगे हों, उनके कुछ दउाहरण भी दो।

प्रश्न 4. तुम्हारे विचार से महाभारत के युद्ध को कौन रुकवा सकता था? कैसे?

प्रश्न 5. इस पुस्तक में से कोई पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

प्रश्न 6. महाभारत में एक ही व्यक्ति के एक से अधिक नाम दिए गए है । बताओ, नीचे लिखे हुए नाम किसके है ?

| | | |
|---|---|---|
| पृथा | राधेय | वासुदेव |
| गांगेय | सैरंध्री | कंक |

प्रश्न 7. इस पुस्तक में भरतवंश की वंशावली दी गई है। तुम भी अपने परिवार की ऐसी ही एक वंशावली तैयार करो।इस कार्य के लिए तुम अपने माता-पिता या अन्य बड़े लोगों से ददम ले सकते हो।

प्रश्न 8. तुम्हारे अनुसार महाभारत कथा में किस पात्र के साथ सबसे अधिक अन्याय हुआ और क्यों?

प्रश्न 9. महाभारत के युद्ध में किसकी जीत हुई? (दया रखो कि इस युद्ध में दोनों पक्षों के लाखों लोग मारे गए थे।)

प्रश्न 10. तुम्हारे विचार से महाभारत की कथा में सबसे अधिक वीर कौन था/थी? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

प्रश्न 11. यदि तुम युधिष्ठिर की जगह होते, तो यक्ष के प्रश्नों के क्या उत्तर देते?

प्रश्न 12. महाभारत के कुछ पात्रों द्वारा कही गई बातें नीचे दी गई हैं | इन बातों को पढ़कर उन पात्रों के बारे में तुम्हारे मन में क्या विचार आते हैं -

(क) शांतनु ने केवटराज से कहा - "जो माँगोगे दूँगा, यदि वह मेरे लिए अनुचित ना हों |"

(ख) दुर्योधन ने कहा - "अगर बारबारी की बात है, तो मैं आज ही कर्ण को अंदगेश का राजा बनाता हूँ |"

(ग) धृतराष्ट्र ने दुर्योधन से कहा - "बेटा, मैं तुम्हारी भलाई के लिए कहता हूँ कि पांडवों से वैर न करो। वैर दुख और मृत्यु का कारण होता है |

(घ) द्रौदपी ने सारथी प्रातिकामी से कहा - "रथवान! जाकर उन हारनेवाले जुए के खिलाडी से पूछो कि पहले वह अपने को हारे थे या मुझे?"

प्रश्न 13. युधिष्ठिर ने आचार्य द्रोण से कहा -"अश्वत्थामा मारा गया, मनुष्य नहीं, हाथी|" युधिष्ठिर सच बोलने के लिए प्रसिद्ध थे| तुम्हारे विचार से उन्होंने द्रोण से सच कहा था या झूठ? अपने उत्तर का कारण भी बताओ |

प्रश्न 14. महाभारत के युद्ध में दोनों पक्षों को बहुत हानि पहुँची| इस युद्ध को ध्यान में रखते हुए युद्धों के कारणों और परिणामों के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखो| शुरुआत हम कर देते हैं -

(1) युद्ध में दोनों पक्षो के असंख्य सैनिक मारे जाते हैं |

(2)…………………………………………

(3)…………………………………………

(4)…………………………………………

(5)…………………………………………

(6)…………………………………………

प्रश्न 15. मान लो तुम भीष्म पितामह हो| अब महाभारत कि कहानी अपने शब्दों में लिखो| जो घटनाएँ तुम्हें ज़रूरी न लगें, उन्हें तुम छोड़ सकते हो|

प्रश्न 16. (क ) द्रौदपी के पास एक 'अक्षयपात्र ' था, जिसका भोजन समाप्त नहीं होता था| अगर तुम्हारे पास ऐसा ही एक पात्र हो, तो तुम क्या करोगे?

(ख) यदि ऐसा कोई पात्र तुम्हारे स्थान पर तुम्हारे मित्र के पास हो, तो तुम क्या करोगे?

प्रश्न 17. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो| सोचकर लिखो कि जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची गई है, उनके अर्थ क्या हो सकते है?

(क) गंगा के चले जाने से शांतनु का मन विरक्त हो गया |

(ख) द्रोणाचार्य ने द्रुदप से कहा - "जब तुम राजा बन गए, तो एश्वर्य के दम में आकर तुम मुझे भूल गए |"

(ग) दुर्योधन ने धृतराष्ट्र से कहा -"पिता जी, पुरवासी तरह-तरह की बातें करते हैं |"

(घ) स्वयंवर मंडप में एक वृदहाकार धनुष रखा हुआ था |

(ङ) चौसर का खेल कोई हमने तो इदज़ा किया नहीं|

प्रश्न 18. लाख के भवन से बचने के लिए दिवुर ने युधिष्ठिर को सांकेतिक भाषा में सीख दी थी| आजकल गुप्त भाषा का इस्तेमाल कहाँ - कहाँ होता होगा? तुम भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी गुप्त भाषा बना सकते हो| इस भाषा को केवल वही समझ सकेगा, जिसे तुम यह भाषा सिखाओगे| ऐसी ही एक भाषा बनाकर अपने दोस्त को एक संदेश लिखो|

प्रश्न 19. महाभारत कथा में तुम्हें जो कोई प्रसंग बहुत अच्छा लगा हो, उसके बारे में लिखो| यह भी बताओ कि वह प्रसंग तुम्हें अच्छा क्यों लगा?

प्रश्न 20. तुमने पुस्तक में पढ़ा कि महाभारत कथा कंठस्थ करके सुनाई जाती रही है| कंठस्थ कराने की क्रिया उस समय इतनी महत्वपूर्ण क्यों

रही होगी? तुम्हारी समझ से आज के ज़माने में कंठस्थ करने की दआत कितनी उचित है?

## उत्तर

उत्तर 1: हमारे अनुसार शांतनु ने गंगा को यह वचन दिया होगा की वे उनके किसी भी कार्य मे हस्तक्षेप नही करेंगे और उनसे कोई भी सवाल नही पूछे गें।

यह प्रश्न महाज्ञानियों को भी धर्म - संकट में दाल सकता हैं, इसका यद्यपि कोई स्पष्ट नही हैं।

उत्तर 2: ध्रितराष्ट्र शान्तु के बड़े पुत्र थे। हस्तिनापुर का सिंहासन उनका होता यदि वे अंधे न होते । क्योंकि वे अंधे थे पांडव को राजा घोषित कर दिया गया। परन्तु जब पांडव अपनी दोनों पत्नियॉ को लेकर वन-वास के लिए गए तब ध्रितराष्ट्र को अन्तरिम राजा घोषित किया गया। इस गुत्थी को और भी जटिल बनाने के लिए पांडव अपने वन-वास के दौरान ही स्वर्ग सिधार गए, ध्रितराष्ट्र का राज्य काल को अनिश्चित काल तक बढ़ाते हुए।

परन्तु युधिष्ठिर दुर्योधन से बड़े थे और उनके जन्म के समय ध्रितराष्ट्र केवल पांडव के गीरूपस्थि में राज्य की देख-भाल कर रहे थे।

मेरे अनुसार राज्य का असली उत्तराधिकारी का पता लगाना असंभव हैं।

【अपने विचारों के अनुसार कोई भी उत्तर लिखिए कोई भी उत्तर सही हैं यदि तथ्य सही हो】

उत्तर 3: जितने के लिए कुरावो व पांडवों दोनो ने ही कई उक्ति अपनाई। उन में से कई अनेतिक और कई नैतिक थी।

पांडवो द्वारा उक्ति-

1. श्री कृष्ण की सहायता मांगना।
2. गुरु द्रोण का वध।
3. कर्ण का वध।
4. भीष्म पितामह का वध।
5. अभिमन्यु के द्वारा चक्रव्यूह का तोड़ना।

कौरवो द्वरा प्रयास-

1. पितामह भीष्म व गुरु द्रोण का साथ लेना।
2. चक्रव्यूह की रचना करना।
   आदि।

उत्तर 4: यदि द्रौदपी के चीरहरण के समय भीष्म पितामह या गुरु द्रोण, ध्रितराष्ट्र आदि में से कोई भी दुरयुद्धन के कुनीति के खिलाफ आवाज़ उठता तो ये युद्ध न होता।

उत्तर 5: डिगे हाँकना - शाम अपनी नई गड़ी के बारे में व्यर्थ ही डिंग हाँकता है ।

जन्म से बैरी- राम और शाम जन्म से बैरी हैं वे दोनों लड़ते रहते हैं।

खलबली मचाना- सलमान खान ने फ़िल्म जगत में खहलबली मचाई हुई हैं।

काम तमाम करना- मुकेश की नई उक्ति ने अनिल के कंपनी का काम तमाम कर दिया।

उत्तर 6: पृथा-कुंती

राधे-कर्ण

वासुदेव- श्री कृष्ण

गंगे- पितामह भीष्म

कंक-युधिष्ठिर

सैरंधी-द्रौदपी

उत्तर 7: छात्र स्वयं अपने माता-पिता की सहायता के साथ करें।

उत्तर 8: इसके  अनेक सही उत्तर हो सकते हैं।

उत्तर 9: महाभारत के युद्ध में अंत में कुराव की पराजय जरूर हुई परन्तु विजय किसी की भी नही हुई। पांडवो ने अपनी संतानों को खोया और

अपने ही पितामह , गुरु व भाइयों के वध का भोज के साथ जीवन व्यतीत किया।

इस युद्ध मे सेकड़ो अन्य सिपयो की भी मृत्यु हुई। यह यद्ध से केवल हार मिली विजय नही।

उत्तर 10: मेरे विचार से महाभारत में वीर कौरव भी थे, तथा पांडव भी। सभी  वीरतापूर्वक लड़े थे।  भीम तथा दुर्योधन दगा युद्ध में निपुण थे। अर्जुन तथा कर्ण में से सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर कौन था यह कह पाना कठिन है।कोई भी युद्ध यदि नियमो से लड़ा जाए तो योद्धा वीर कहलाते हैं परन्तु महाभारत के युद्ध में कौरव तथा पांडव दोनों ने नियम तोड़े थे। यदि सभी ने नियमों का पालन किया होता तो  सही मायनों में वीर कहलाते।

उत्तर 11: यदि मैं युधिष्ठिर के स्थान पर होती तो मैं भी यक्ष के प्रश्नों का जवाब ध्यानपूर्वक तथा धैर्यता से देती|

उत्तर 12: (क) यह पंक्ति राजा शांतनु का सत्यवती के प्रति प्रेम प्रकट करते है | परन्तु शांतनु सत्यवती को खुश करने के लिए कोई गलत काम नहीं करना चाहते थे | इससे उनके  राजा धर्म के प्रति निष्ठा का पता चलता है |

(ख) इस वाक्य से दुर्योधन का कर्ण के प्रति प्रेम तथा सहानुभूति दिखती है |

(ग) इस कथन के माध्यम से धृतराष्ट्र का अपने पुत्रो के प्रति प्यार दिखाया गया है | वह अपने पुत्रो को गलत करने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं |

(घ) इस पंक्ति में द्रौदपी का पांडवों के प्रति क्रोध दिख रहा है |

उत्तर 13: युधिष्ठिर ने द्रोण से सच कहा था क्योंकि उन्होंने कहा था की अश्वत्थामा हाथी मारा गया है ना कि अश्वत्थामा मनुष्य,  परन्तु द्रोण ने उनकी पूरी बात नहीं सुनी|

उत्तर 14: (1) युद्ध में दोनों पक्षो के असंख्य सैनिक मारे जाते हैं |

(2) युद्ध से दोनों क्षेत्रों के लोगो में भय हों जाता है |

(3) वातावरण में अशांति हों जाती हैं |

(4) सभी जगह रक्त की नदियाँ बहने लगती है |

(5) राज्य का विकास तथा प्रगति रुक जाती है |

(6) प्रकृति का विनाश होता है |

उत्तर 15: कौरव तथा पांडवों का बचपन साथ में ही बीता था| शकुनि ने बचपन से ही दुर्योधन के मन में पांडवो के प्रति द्वेष पैदा कर दिया था| दुर्योधन ने युधिष्ठिर से राज - पाट छीनने के लिए योजना बनाई तथा पांडवो को जुआ खेलने के लिए बुलाया | जुए में पांडव सब कुछ हर गए तथा उन्हें छद्मवास के लिए जाना पड़ा | धीरे - धीरे कौरवों तथा पांडवों में दू रिया बढ़ती गई जिसके  फलस्वरूप अंत में उनके  मध्य युद्ध हुआ |

अर्जुन अपने लोगो से युद्ध करने के लिए तैयार नहीं था, तब कृष्ण ने अर्जुन को सही - गलत का ज्ञान देते हुए उदपेश दिया| इन उदपेशो को गीता में संगृहीत किया गया | अंत में युद्ध में पांडवों की विजय हुई तथा युधिष्ठिर को राजा बनाया गया | महाभारत से हमें सही - गलत में समझ करने का ज्ञान प्राप्त होता है |

उत्तर 16: (क) यदि हमारे पास वह अक्षयपात्र होता तो हम उससे गरीबो व निर्धनों को भोजन उपलब्ध करवाते |

(ख) हम हमारे मित्र से उस अक्षयपात्र से गरीबो व निर्धनों को भोजन उपलब्ध करवाने के लिए कहते |

उत्तर 17: (क) अब जाना

(ख ) घमंड

(ग) नगरवासी

(घ) बड़े आकार का

(ङ) अविष्कार

उत्तर 18: देश के सुरक्षा बालो द्वारा गुप्त भाषा का प्रयोग किया जाता है | कभी - कभी बच्चों द्वारा खेलो में भी गुप्त भाषा का प्रयोग किया जाता है |

हम ऐसी गुप्त भाषा लिखेंगे जिसे यदि बिना दर्पण के पढ़ा जाये तो वह समझ नहीं आएगी ; परन्तु दर्पण के सामने रखते ही सब समझ आ जाएगा |

उत्तर 19: महाभारत में युद्ध के दौरान इंद्र द्वारा कर्ण से कवच - कुण्डल मांगने पर उन्होंने यह जानते भी हुए कि इससे उनका स्वयं (कर्ण ) का नुकसान होगा, कवच - कुण्डल दान कर दिए | यह प्रसंग मुझे सबसे अच्छा लगा |

उत्तर 20: उस समय प्रिंटिंग मशीनों, मोबाइल, कम्प्यूटरों आदि का अविष्कार नहीं हुआ था जिनमें सूचनाएँ संग्रहित की जा सके इसलिए कंठस्थ करना बहुत आवश्यक था| परन्तु आज कल हमारे पास सूचनाएँ संग्रहित करने के अनेक साधन है इसलिए कंठस्थ करना इतना आवश्यक नहीं है , परन्तु जीवन में काम आने वाली बातो को हमें कंठस्थ कर लेना चाहिए |